वर्षवार तुलनात्मक कार्य-निष्पादन YEAR WISE COMPARATIVE PERFORMANCE

(रु. करोड़ में) (Rs. in Crore)

कार्य-निष्पदान मानदंड	Performance Parameters	2004-2005	2005-2006	2006-2007
कारोबारी माध्यम एवं संसाधन	***Delivery Channels & Resources:***			
शाखाओं की संख्या	Number of Branches	1123	1122	1135
कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या	Total Computerised Branches	1123	1122	1135
इनमें से कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) शाखाएं	Out of which, Branches with Core Banking Solution (CBS)	Nil	Nil	13
एटीएम की संख्या	No. of ATMs	115	240	269
कर्मचारियों की संख्या	No. of Employees	10201	10156	10120
पूंजी एवं आरक्षितियाँ	***Capital & Reserves:***			
पूंजी	Capital	286.82	286.82	286.82
आरक्षितियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर)	Reserves (Excluding Revalution Reserve)	663	779	953
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)	Capital Adequacy Ratio (%)	11.91	10.62	11.52
कारोबार	***Business:***			
कुल जमाराशियां	Total Deposits	20897	23623	27689
% वृद्धि	% Increase	8.76	13.05	17.22
ऋण एवं अग्रिम (निवल)	Loans & Advances (Net)	11309	14231	18303
% वृद्धि	% Increase	20.16	25.84	28.61
विनिधान (निवल)	Investments (Net)	9697	8571	9235
% वृद्धि	% Increase	(-) 0.40	(-) 11.61	7.75
निम्नलिखित को ऋण एवं अग्रिम	***Loans & Advances to:***			
- प्राथमिकता क्षेत्र	- Priority Sector	4755	6074	7629
- कृषि	- Agriculture	1749	2363	3344
- लघु उद्योग	- Small Scale Industries	1257	1321	1570
- % के रूप में प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	- Priority Sector Advances in % terms	42.46	42.20	42.03
वित्तीय स्थिति	***Financials:***			
परिचालनगत लाभ*	Operating Profit*	371.67	600.37	635.37
निवल लाभ	Net Profit	61.00	72.99	201.56
आस्ति गुणवत्ता अनुपात	***Asset Quality Ratios:***			
सकल अग्रिमों की तुलना में सकल गैर निष्पादक अस्तियों का अनुपात %	Gross NPA to Gross Advances Ratio %	9.67	6.44	3.98
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल गैर निष्पादक अस्तियों का अनुपात %	Net NPA to Net Advances Ratio %	5.23	3.04	1.99
उत्पादकता अनुपात	***Productivity Ratios:***			
प्रति कर्मचारी कारोबार	Per Employee Business	3.21	3.78	4.58
प्रति शाखा कारोबार	Per Branch Business	31.75	37.51	44.76

* पूर्नसमूहित आँकड़े Figures regrouped

www.reportjunction.com

वर्ष 2006-2007 के संक्षिप्त कार्य परिणाम SUMMARISED WORKING RESULTS - 2006-2007

निरंतर लाभार्जन यात्रा

बैंक ने प्रतिकूल परिदृश्य के बावजूद सभी मापदण्डों पर पर्याप्त सुधार दर्ज़ करते हुए अपनी लाभार्जन यात्रा जारी रखी.

कारोबार वृद्धि

बैंक का कुल कारोबार संमिश्र रु. 46,373 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया. बैंक की जमाराशियाँ 17.22% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 27,690 करोड़ के स्तर तक पहुँच गई. कुल जमाराशियों में अल्प लागत वाली जमाराशियों के अंश में 86 आधार बिन्दुओं की प्रभावी वृद्धि परिलक्षित हुई, और इस वृद्धि का स्तर 44.51% तक पहुँच गया.

सकल अग्रिमों में वृद्धि की दृष्टि से बैंक ने प्रभावी कार्य-निष्पादन दर्ज किया और उसमें रु. 3935 करोड़ की बढ़ोत्तरी हुई, जिसके फलस्वरुप वे 31 मार्च 2006 के रु. 14,748 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को रु. 18,683 करोड़ हो गए. यह वृद्धि 26.68% रही.

प्राथमिकता क्षेत्र एवं खुदरा अग्रिम

प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों का अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक के 40% के निर्धारण की तुलना में बैंक के निवल ऋण का 42.03% था.

वर्ष के दौरान बैंक का खुदरा ऋण रु. 2,249 करोड़ से बढ़कर रु. 3,423 करोड़ हो गया अर्थात इसमें 52.17% की वृद्धि हुई.

निवेश

विश्वव्यापी प्रतिभूति बाजार में विद्यमान प्रतिकूल परिदृश्य को देखते हुए बैंक ने निवेश पोर्टफोलियो के प्रति अत्यधिक सजग दृष्टिकोण अपनाया था. फिर भी यह पोर्टफोलियो रु. 8,635 करोड़ से बढ़कर रु. 9,325 करोड़ हो गया.

आस्ति गुणवत्ता

वर्ष के दौरान बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्तियों में 21.60% की कमी आई और वे रु. 949 करोड़ से घटकर रु. 744 करोड़ रह गईं. इस कमी के अनुरुप ही बैंक की निवल गैर निष्पादक आस्तियों में 15.70% की कमी आई और वे रु. 433 करोड़ से घटकर रु. 365 करोड़ रह गईं. गैर निष्पादक आस्तियों के लिए प्रावधान सुरक्षा भी 52.61% से घटकर 50.05 हो गई.

लाभ

वर्ष 2006-07 के परिचालनगत लाभ में 5.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है. वर्ष 2005-06 के दौरान रुपये 600.36 करोड़ की तुलना में वर्ष का परिचालनगत लाभ रु. 635.37 करोड़ रहा. बैंक ने वर्ष 2005-06 के रुपये 72.99 करोड़ की तुलना में वर्ष 2006-07 में 176.15 प्रतिशत की वृद्धि सहित रु. 201.56 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात

इस वर्ष पूंजी पर्याप्तता अनुपात बढ़कर 11.52 प्रतिशत हो गया.

कम्प्यूटरीकरण

31 मार्च, 2007 के दिन बैंक की सभी शाखाएँ कम्प्यूटरीकृत हो चुकी है. जिनमें से 1135 शाखाएँ पूर्णत कम्प्यूटरीकृत थीं. 98.5% से अधिक बैंक कारोबार कम्प्यूटरों पर किया जाता है. बैंक ने वर्ष के दौरान 29 एटीएम स्थापित किए जिससे एटीएमों की कुल संख्या 269 हो गयी.

उत्पादकता अनुपात

बैंक का प्रति कर्मचारी कारोबार संमिश्र 31 मार्च, 2006 के रु. 3.78 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को रु. 4.58 करोड़ हो गया.

प्रति शाखा कारोबार संमिश्र 31 मार्च, 2006 के रु. 37.51 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को रु. 44.76 करोड़ हो गया.

TURNAROUND JOURNEY CONTINUES

The Bank continued its turnaround journey, despite adverse scenario, by recording considerable improvement on many parameters.

BUSINESS GROWTH

The Total Business Mix of the Bank touched a level of Rs. 46,373 crore. The Deposits of the Bank had reached a level of Rs. 27,690 crore by recording 17.22% growth. The share of low cost deposits in aggregate deposits has shown an impressive increase of 86 bps to reach a level of 44.51%.

The Bank posted impressive performance in terms of increase in Gross Advances by Rs. 3,935 crore from Rs. 14,748 crore as at 31st March 2006 to reach a level of Rs. 18,683 crore by 31st March 2007 i.e. an increase of 26.68%.

PRIORITY SECTOR & RETAIL ADVANCES

The Ratio of Priority Sector Advances constituted 42.03% of Bank's Net Credit as against the RBI prescription of 40%.

Retail credit of the Bank increased by 52.17% during the year from Rs. 2,249 crore to Rs. 3,423 crore.

INVESTMENTS

In view of the adverse scenario in the G-Sec market, the Bank had adopted a very cautious approach to investments portfolio. However, the portfolio has increased from Rs. 8,635 crore to Rs. 9,325 crore.

ASSET QUALITY

Gross NPAs of the Bank were reduced by 21.60% from Rs. 949 crore to Rs. 744 crore during the year. Corresponding to this reduction, Net NPAs of the Bank declined by 15.70% from Rs. 433 crore to Rs. 365 crore. The provision cover for NPAs has declined from 52.61% to 50.05%

PROFIT

The operating profit for the year 2006-2007 has recorded an increase of 5.83%. The Operating profit for the year was Rs. 635.37 crore in comparison to Rs. 600.36 crore during 2005-06. The Bank posted a net profit of Rs. 201.56 crore for the year 2006-07 against Rs. 72.99 crore for 2005-06, an increase of 176.15%.

CAPITAL ADEQUACY RATIO

Capital Adequacy Ratio stood at 11.52%.

COMPUTERISATION

As at 31st March 2007, all branches of the Bank are computerized with 1135 branches fully computerized. Over 98.5% of the Bank business is on computers. The Bank installed 29 ATMs during the year taking the total number of ATMs to 269.

PRODUCTIVITY RATIOS

Bank's Per Employee business mix went up from Rs. 3.78 crore as on 31st March 2006 to Rs. 4.58 crore as on 31st March 2007.

The Per Branch Business mix increased from Rs. 37.51 crore as on 31st March 2006 to Rs. 44.76 crore as on 31st March 2007.

www.reportjunction.com

सूचना NOTICE

देना बैंक
DENA BANK

प्रधान कार्यालयः देना कार्पोरेट सेंटर, सी-10 जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400 051.
Head Office: Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai-400 051

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि देना बैंक के शेयर धारकों की ग्यारहवीं वार्षिक सामान्य सभा शुक्रवार, 29 जून 2007 को अपराहन 3.00 बजे सभागृह सर सोराबजी पोचखानावाला, बैंकर्स प्रशिक्षण महाविद्यालय, जे.वी.पी.डी. स्कीम, विले पार्ले (पश्चिम) मुंबई - 400 056. में निम्नांकित कार्यो को संपादित करने हेतु आयोजित होगी ।

मद सं. 1

31 मार्च 2007 के तुलन पत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि लेखों, बैंक के काम काज एवं गतिविधियों पर निदेशक मण्डल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र और लेखा पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श, अनुमोदन एवं अंगीकार करना.

मद सं. 2

वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए ईक्विटी शेयरों पर लाभांश घोषित करना.

निदेशक मण्डल के आदेशानुसार

स्थान : मुंबई
दिनांक 28 मई, 2007

(पी. एल. गैरोला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियाँ :

1. मुख्तारी की नियुक्ति

सभा में उपस्थित रहने और मतदान करने का / के पात्र शेयरधारक अपने स्थान पर सभा में किसी अन्य को उपस्थित रहने तथा मतदान करने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का पात्र होगा / होगी. प्रतिनिधत्व प्रभावी हो, इस दृष्टि से प्रतिनिधि नियुक्त करने के पात्र अर्थात मुख्तारी फार्म में सूचना ग्यारहवीं वार्षिक सामान्य सभा की तारीख से कम से कम चार दिन पूर्व अर्थात शनिवार 23 जून 2007 को काम-काज का समय समाप्त होने के समय या उससे पूर्व बैंक को विनिर्दिष्ट स्थल पर अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए.

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति

ऐसी कोई कम्पनी निगमित निकाय, जो बैंक की शेयरधारक हो, के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कोई भी ऐसा व्यक्ति सभा में उपस्थित रहने या मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि उसे विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति विषयक संकल्प, जिस सभा में वह पारित हुआ था, उसके सभापति द्वारा सत्यापित किया हुआ, की प्रतिलिपि ग्यारहवीं वार्षिक सामान्य सभा की तिथि से कम से चार दिन पहले अर्थात शनिवार 23 जून 2007 को कामकाज का समय समाप्त होने से पूर्व कम्पनी सचिव, देना बैंक, प्रधान कार्याल, देना कार्पोरेट सेंटर, तीसरी मंजिल, सी-10, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई 400 051. के पास जमा न करा दी जाए.

3. उपस्थिति-सह-प्रवेश पर्ची

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-सह-प्रवेश पर्ची इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं । शेयरधारकों/मुख्तारनामा धारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें दिए गए स्थान पर अपने हस्ताक्षर करके उसे सभा स्थल पर प्रस्तुत करें । शेयरधारक के प्राधिकृत प्रतिनिधि/मुख्तारी उपस्थिति-सह-प्रवेश पर्ची में मुख्तारी या प्राधिकृत प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो का उल्लेख करें ।

4. बही बन्द रखना

बैंक का शेयरधारकों का रजिस्टर और शेयर अन्तरण रजिस्टर वार्षिक सामान्य सभा और लाभांश की पात्रता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार, 16 जून 2007 से शनिवार, 29 जून 2007 (दोनों दिन शामिल) तक बन्द रहेगें ।

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Eleventh Annual General Meeting of the Shareholders of Dena Bank will be held on Friday, 29th June, 2007 at 3.00 p.m. at Auditorium, Sir Sorabji Pochkhanawala Bankers' Training College, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Mumbai-400 056 to transact the following business: -

Item No. 1

"To discuss, approve and adopt the Balance Sheet as at 31st March, 2007 and the Profit & Loss Account for the year ended on that date, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

Item No.2

"To declare dividend on Equity Shares for the financial year 2006-2007."

By Order of the Board of Directors

Place: Mumbai
Date: 28th May, 2007

(P. L. Gairola)
Chairman & Managing Director

NOTES :

1. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/ HERSELF. The proxy, in order to be effective must be received by the Bank at the place specified in the proxy form, not later than FOUR DAYS before the date of the Eleventh Annual General Meeting i.e. on or before the close of office hours on Saturday, 23rd June, 2007.

2. APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a company or any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited with the Company Secretary, Dena Bank, Head Office: Dena Corporate Centre, 3rd Floor, C-10, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai - 400 051 not later than FOUR days before the date of the Eleventh Annual General Meeting i.e. on or before the close of office hours on Saturday 23rd June, 2007.

3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance Slip-cum-Entry-Pass is annexed to this report. Shareholders / Proxy holders/ Authorised Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/ Authorised Representative of the shareholder should state on the Attendance slip-cum-entry pass as 'Proxy' or 'Authorised Representative' as the case may be.

4. BOOK CLOSURE

The Register of the Shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Saturday, June 16, 2007 to Friday, June 29, 2007 (both days inclusive), for the purpose of Annual General Meeting and for ascertaining the entitlement of dividend.

www.reportjunction.com

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT 2006-2007

वर्ष 2006-2007 के लिए निदेशक मंडल की वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report of the Board of Directors for the year 2006-2007

प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च 2007 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ हानि लेखों के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता हो रही है.

1.000 प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण

1.100 स्थूल आर्थिक विकास

1.101 2004-05 के बाद के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सकल घरेलू उत्पाद की दर को 7.5% से उपर बनाए रखते हुए अपनी आर्थिक मजबूती को पुनः प्रतिपादित कर रही है. वृद्धि की यह दर 2006-07 हेतु सीएसओ के अग्रिम अनुमानों के अनुसार 9.2% के आसपास अपेक्षित है. औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्र विकास की इस प्रक्रिया के बडे घटक रहे हैं. देश की विदेशी मुद्रा आरक्षितियां 200 बिलियन अमेरिकी डालर के सुदृढ़ स्तर तक पहुंच चुकी हैं. पूंजी बाजार में विदेशी निवेशक संस्थाओं के निरंतर अंतर प्रवाह तथा निगमित क्षेत्र के शानदार निष्पादन के दोहरे संगम से मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का आंकडा 10000 अंकों के स्तर को पार करके वर्ष के दौरान 14,652 अंकों के स्तर तक जा पहुंचा. हालांकि, समय-समय पर विभिन्न महत्त्वपूर्ण घटनाओं के कारण इसमें गिरावट भी आई. स्वर्ण की कीमतें वर्ष भर मजबूत बनी रहीं.

1.102 विकास की यह गति जहां एक ओर अर्थव्यवस्था हेतु शुभ संकेत थी वहीं दूसरी ओर तेल की घरेलू कीमतों को कम करने के बावजूद मुद्रास्फीति का दबाव विनियामक एवं वित्तीय प्राधिकारियों दोनों के लिए चिंता का मुख्य कारण बना रहा, विशेषतः वर्ष की अंतिम तिमाही में. गत वर्षों की मुद्रास्फीति अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों से प्रभावित होती थी जबकि इस बार इसमें आपूर्ति के कमजोर पक्ष का योगदान प्रमुख था. राजकोषीय तथा मौद्रिक प्राधिकारियों ने वर्ष के द्वितीय भाग में इसके नियंत्रण हेतु तत्काल आवश्यक कदम उठाए.

1.200 भारतीय रिजर्व बैंक का वार्षिक नीति वक्तव्य :

1.201 वित्तीय वर्ष 2006-07 के आरंभ में भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी वार्षिक नीति के वक्तव्य में अपने मौद्रिक उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए यह संकेत दिया था कि एक ऐसा मौद्रिक एवं ब्याज दर आधारित वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा जिससे कि विकास की गति की दर निरंतर बनी रहे तथा साथ ही मूल्य स्थिरता भी और मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावनाओं की किसी भी परिस्थितियों में तत्काल अपेक्षित कार्रवाई की जा सके ताकि अर्थव्यवस्था में निवेशों की मांग और निर्यातों के सहायतार्थ वित्तीय बाजार की परिस्थितियों एवं साख की गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके और स्थूल विकास की दर बनी रहे, विशेषतः वित्तीय स्थायित्त्व एवं वैश्विक गतिविधियों से तत्काल निपटने की क्षमता के साथ.

1.202 वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही हेतु वार्षिक नीति संबंधी वक्तव्य की समीक्षा करते समय भारतीय रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई मुद्रास्फीति

Dear Shareholders,

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account for the financial year ended March 31, 2007.

1.000 MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1.100 Macro-Economic Scenario

1.101 The period since 2004-05 had witnessed the Indian economy reasserting its strength by recording GDP growth at a rate over 7.5% with the growth for the year 2006-07 estimated at around 9.2%, as per advance estimates of CSO. Industrial and Service sectors had been the major drivers of this growth process. The country's foreign exchange reserves have gone upto over US $ 200 billion mark. The net FII inflow into capital market sector, coupled with excellent performance of the corporate sector led to the benchmark BSE Sensex emphatically breaching the 10,000 mark, to touch a level of 14,652 during the year. However, frequent corrections did take place, from time to time, in response to various events of significance. Bullion prices ruled hard throughout the year.

1.102 Alongside the growth that augured well for the economy, inflationary pressure, despite downwards adjustment of domestic fuel prices, remained a cause of concern particularly in the last quarter of the year, both for regulatory and fiscal authorities. Supply side constraints were the main contributory factor unlike the phenomenon observed in the previous years when the prices were predominantly affected by international oil prices. The scenario, particularly the second half of the fiscal saw swift responses both from the fiscal and monetary authorities to address this issue.

1.200 Annual Policy Statement of RBI:

1.201 The beginning of the fiscal 2006-07 saw the Reserve Bank of India announcing its monetary stance in its Annual Statement of Policy as one designed "To ensure a monetary and interest rate environment that enables continuation of the growth momentum consistent with price stability while being in readiness to act in a timely and prompt manner on any signs of evolving circumstances impinging on inflation expectations; to focus on credit quality and financial market conditions to support export and investment demand in the economy for maintaining macroeconomic, in particular, financial stability; and to respond swiftly to evolving global developments".

1.202 While reviewing the said Statement of Policy for the third quarter of the fiscal, the monetary regulator, in the wake of rising inflation in the economy, reoriented its

www.reportjunction.com

को स्वीकार करते हुए अपने मौद्रिक उद्देश्यों में आंशिक फेरबदल के साथ इन्हे मूल्य स्थायित्व की ओर मोडा और मुद्रास्फीति के दुष्प्रभावों पर ध्यान केन्द्रित किया ताकि अर्थव्यवस्था में निवेशों की मांग और निर्यातों की सहायतार्थ उपयुक्त मौद्रिक एवं ब्याज दर वातावरण सुनिश्चित किया जा सके और विकास की दर एवं गति निरंतर बनी रहे और साथ ही बैंक ने पूंजी बाजार की आदेशात्मक परिस्थितियों और साख की गुणवत्ता पर पुनः बल दिया ताकि स्थूल आर्थिक विकास सुरक्षित बना रहे, विशेषतः वित्तीय स्थायित्व. वित्तीय समावेशन तथा वृहद साख उपलब्धि दोनों हेतु बैंक ने साथ-साथ यह प्रयास किए जिससे कि संभावित मुद्रास्फीति के कारण घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर आने वाले किसी भी परिवर्तन का सभी संभव उपायों के साथ सामना किया जा सके और विकास की दर पर इसका कोई प्रभाव न पडे.

1.203 वर्ष के दौरान मौद्रिक नीतियों पर अर्थव्यवस्था में बढ़ रही मुद्रास्फीति की प्रवृत्तियों का भारी प्रभाव पडा. मौद्रिक विनियामक के मूल्यांकन में मांग एवं आपूर्ति दोनों ही घटक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालने हेतु जिम्मेदार रहे, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण बढ़ती हुई कीमतें हैं. बदलते परिदृश्य के मद्देनजर वर्ष के दौरान दो चरणों में आरक्षित नकदी निधि अनुपात को, वर्ष के उत्तरार्ध में 5% से 6% तथा (आगे अप्रैल 2007 में 6.5%) तक बढ़ाया गया, जबकि एल.ए.एफ. के तहत विपरीत रेपो दर को वर्षान्त में चरणों में बढ़ाकर 7.75% कर दिया गया जो वर्षारंभ में 6.50% थी.

1.300 ब्याज दरों में घट-बढ़

1.301 इस वर्ष ब्याज दरों में भी तीव्र वृद्धि देखी गई. बैंकों की जमाराशियों एवं अग्रिमों दोनों की ब्याज दरों में व्यापक वृद्धि हुई. वर्ष के दौरान, 5 वर्ष की सावधि जमा राशियों पर ब्याज की जो दर 6% -6.5% थी वह बढ़कर 9% से 9.5% तक जा पहुंची. बैंकों की बेन्चमार्क न्यूनतम मूल उधार दर में भी 150 से 200 तक के आधार अंकों की वृद्धि हुई. खुदरा ऋणों विशेषतः आवासीय ऋणों पर बढ़ी हुई ब्याज दरों की भारी मार पडी. इस क्षेत्र में आस्ति गुणवत्ता के कारण उत्पन्न चिंता ने भी ब्याज दरों के बढ़ने में अपना योगदान दिया.

1.400 बैंकिंग उद्योग प्रवृत्तियां :

1.401 वर्ष 2005-2006 की 18.10% की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2006-07 के दौरान सभी बैंकों की समग्र जमाराशियों में 23% की वृद्धि हुई. जमा संग्रहण में हुई इस वृद्धि की तुलना में बैंको की साख में अर्थव्यवस्था में आई तेजी के कारण 27.6% की वृद्धि हुई जो गत वर्ष 30.80% थी. यद्दपि बैंक की न्यूनतम मूल उधार दर से कम दरों वाले ऋण बैंक के कुल ऋणों एवं अग्रिमों में काफी मात्रा में बने रहे लेकिन वर्ष 2006-07 के दौरान इनकी नई स्वीकृतियों में गिरावट दर्ज हुई.

1.402 भूसंपदा की कीमतों सहित संपत्तियों की कीमतों में हुई भारी वृद्धि तथा आस्ति गुणवत्ता की दोहरी चिंता ने विनियामक को पूंजी बाजार तथा भूसंपदा क्षेत्र को ऋण सुविधाओं पर विवेकपूर्ण नियम लागू करने हेतु बाध्य किया तथा जोखिम के नियमों एवं पूंजी आवंटन की आवश्यकताओं को उच्च जोखिम आधारित अवधारणाओं में समाहित किया गया.

1.403 वर्ष के अंतिम भाग में विनियामक ने नई पूंजी पर्याप्तता की समय सीमा के केलेंडर में परिवर्तन करते हुए उसके अनुपालन की समय सीमा को

monetary stance to reinforce the emphasis on price stability and well-anchored inflation expectations while ensuring a monetary and interest rate environment that supported export and investment demand in the economy so as to enable continuation of the growth momentum; re-emphasised on credit quality and orderly conditions in financial markets for securing macroeconomic and, in particular, financial stability while simultaneously pursuing greater credit penetration and financial inclusion; and to respond swiftly with all possible measures as appropriate to the evolving global and domestic situation impinging on inflation expectations and the growth momentum.

1.203 The conduct of the monetary policy during the year was therefore largely influenced by inflationary tendencies in the economy. The regulator had in response to the evolving scenario increased the Cash Reserve Ratio, in two phases, during the second half of the year, from 5% to 6% (and further to 6.5% in April 2007) while the fixed repo rate under LAF went up from 6.50% at the beginning of the year to 7.75% by the end of the year in phases.

1.300 Movement of Interest Rates

1.301 The year witnessed a firm north bound journey of interest rates. Both, deposits & advances witnessed steep rise in Interest rates, in the Banking system. The rates on deposits saw frequent hikes that had peaked to around 9% to 9.5% for 5 year tenor, as compared to a low of around 6% to 6.5% for the similar tenor, during the year. Benchmark Prime Lending Rates of banks also increased by around 150 to 200 basis points. Retail loans, particularly under the housing segment bore the brunt of the increase in interest rates. Concerns on asset quality in this segment also contributed to hardening of interest rates.

1.400 Banking Industry Trends:

1.401 The aggregate deposits of the banking system registered a growth of 23% during the year as against 18.10% achieved during the previous year. Bank credit, in the light by robust economic growth, however, increased higher by 27.6% sequencing the growth of 30.80% posted during the previous year. Though sub-BPLR loans continued to form a sizeable part of bank loans & advances, the year 2006-07 saw a falling share of fresh sanctions under sub-BPLR.

1.402 Rising asset prices, particularly those of the real estates, coupled with concerns on asset quality led the regulator to bring in prudential norms on capital market and real estate exposures, in terms of stringencies on exposures as well as capital allocation requirements by way of higher risk weight and higher provisioning prescriptions.

1.403 A significant step taken by the Regulator towards 2nd half of the year was to reschedule the calendar for

www.reportjunction.com

बढ़ाया, जो बासेल-II नियमों के नाम से ज्यादा प्रचलित हैं. जो बैंक अन्य बैंकों के मुकाबले अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हैं उनके लिए यह संशोधित केलेंडर मार्च 2008 से तथा अन्य बैंकों पर एक वर्ष की छूट के साथ मार्च 2009 से लागू होगा.

2.000 बैंक का कारोबारी निष्पादन

2.100 कारोबार संमिश्र

2.101 बैंक ने गत वर्ष के अपने कुल कारोबार संमिश्र रु. 38,370.85 करोड़ की तुलना में 20.85% की वृद्धि करते हुए वर्षांत में अपने कुल कारोबार संमिश्र को रु. 46,372.98 करोड़ तक पहुंचाया.

2.102 बैंक की कुल जमाराशियां गत वर्ष के रु. 23,623.06 करोड़ की तुलना में वर्षांत में बढ़कर रु. 27,689.91 करोड़ हो गईं जो 17.22% की वृद्धि दर्शाती हैं.

2.103 बैंक के सकल अग्रिम गत वर्ष के रु. 14,747.79 करोड़ से बढ़कर वर्षांत में रु. 18,683.07 करोड़ हो गए जो 26.68% की वृद्धि दर्शाते हैं.

2.104 बैंक के कुल कारोबार संमिश्र का गत दो वर्षों का संयोजन इस प्रकार है :

adherence to the new capital adequacy framework, more popularly known as Basel II norms. The revised calendar now runs from March 2008 for banks that are internationally active and gives one year leverage to other banks i.e. upto March 2009.

2.000 BUSINESS PERFORMANCE OF THE BANK

2.100 **Business Mix**

2.101 The Business Mix of the Bank reached to a level of Rs. 46,372.98 Crs. as at the end of the year, registering a growth of 20.85% over the level of Rs. 38,370.85 Crs. as at the end of previous year.

2.102 Deposits had grown by Rs. 4,066.85 Crs., during the year, to Rs. 27,689.91 Crs., representing a growth of 17.22 % over the level of Rs 23,623.06 Crs. as at the end of previous year.

2.103 Gross Advances of the Bank increased at a higher rate of 26.68 % to reach a level of Rs. 18,683.07 Crs. as compared to a level of Rs. 14,747.79 Crs. as at the end of March 2006.

2.104 The composition of Total Business Mix of the Bank for the last two years is as under:

(रु. करोड़ में) (Rs. in Crs.)

31 मार्च को कारोबार संमिश्र Business Mix as at 31st March	**2006**	**2007**
कुल जमाराशियां Total Deposits	23623.06	27689.91
कुल अग्रिम Total Advances	14747.79	18683.07
कुल कारोबार संमिश्र Total Business Mix	38370.85	46372.98

2.200 जमा संग्रहण

2.201 वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 4066.85 करोड़ की जमाराशियां संग्रहित कीं. विभिन्न क्षेत्रों में जमाराशियों में गत वर्ष से तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार है.

2.200 **Deposit Mobilisation**

2.201 The Bank had mobilized Deposits worth Rs. 4,066.85 Crs. during the year. A comparative position of mobilization of deposits vis-à-vis previous year, under various segments is as under:

(रु. करोड़ में) (Rs. in Crs.)

जमाराशि Category	**31 मार्च 2006 को** As on March 31, 2006		**31 मार्च 2007 को** As on March 31, 2007	
	Amount	% **जमाराशियों** % to Total Deposits	Amount	% **जमाराशियों** % to Total Deposits
चालू Current	2380.56	10.08%	3281.26	11.85
बचत Saving	7930.63	33.57%	9043.59	32.66
सावधि Term	13311.87	56.35%	15365.06	55.49
कुल जमाराशि Total Deposits	23623.06	100.00%	27689.91	100.00

2.202 31 मार्च 2006 के 43.65% की तुलना में कम लागत वाली जमाराशियों का भाग 86 आधार अंक बढ़कर 31 मार्च 2007 को 44.51% हो गया

2.203 घरेलू आवधिक जमाराशियों पर ब्याज दरों में वृद्धि के बावजूद कम लागत वाली जमाराशियों के हिस्से को बढ़ाने के अपने जोरदार प्रयासों के

2.202 The share of Low Cost Deposits to Total Deposits improved by 86 bps to 44.51% as on March 31, 2007 as compared to 43.65% as on March 31, 2006.

2.203 The aggressive efforts to increase the share of low cost deposits helped the Bank to control its cost of

www.reportjunction.com

कारण बैंक को अपनी जमाराशियों की लागत पर नियंत्रण रखने में सहायता मिली है. जमाराशियों की औसत लागत जो वित्तीय वर्ष 2004-05 में 4.85% थी तथा वर्ष 2005-06 में 4.58% थी वह वर्ष 2006-07 के लिए 4.89% रही.

2.300 साख वितरण :

बैंक ने वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों तथा मुख्यत: आवासीय ऋणों सहित रिटेल क्षेत्र को साख के प्रवाह को सरल बनाने पर बल दिया जिसके फलस्वरुप बैंक के सकल अग्रिमों में रु. 3935.28 करोड़ की वृद्धि हुई है. वर्ष के दौरान यह वृद्धि 26.68% की है. 31 मार्च 2006 को बैंक के सकल अग्रिम 14747.79 करोड़ थे जो 31 मार्च 2007 को बढ़कर रु. 18683.07 करोड़ हो गए. बैंक के निवल अग्रिम जो 31 मार्च 2006 को रु. 14231.24 करोड़ थे वो 31 मार्च 2007 को बढ़कर रु. 18,303.39 करोड़ हो गए जो 28.61% की वृद्धि दर्शाते हैं.

2.400 खुदरा साख :

2.401 बैंक की खुदरा बैंकिंग की 9 योजनाएं है, जिनसे ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है. बजार के परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए इन योजनाओं में समय-समय पर संशोधन किया जाता है, तथा संशोधन के समय ग्राहकों की आवश्यकताओं तथा क्षेत्र कार्यकताओं द्वारा प्रदत्त फीड बैक का भी ध्यान रखा जाता है. व्यापक प्रचार के माध्यम से खुदरा बैंकिंग योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के सघन प्रयास किए गए.

2.402 **योजनाओं का परिमार्जन :**

बैक की रिटेल ऋण योजनाओं यथा देना ऑटो वित्त तथा बंधक वित्त योजना में भी ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन किए गए हैं ताकि इन्हे और प्रतियोगी बनाया जा सके. प्रतियोगिता में आस्ति गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु बैंक ने प्रीमियम आवास ऋण खाता भी आरंभ किया है जिसमें यदि आवास ऋण का उधारकर्ता अपने ऋण के पुनर्भुगतान में प्रथम पांच वर्षों में नियमित रहता है तो उसे अन्य सुविधाएं एवं राहत भी दी जाएगी.

2.403 फिनमार्ट :

बैंक के देश के 32 केन्द्रों पर 48 फिनमार्ट तथा मुंबई में एक केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्र कार्यरत हैं. फिनमार्ट शाखा के भीतर ही एक शाखा के रूप में, खुदरा बैंकिंग बुटीक के स्वरूप में कार्यरत हैं तथा एक ही छत के नीचे न्यूनतम समय में केन्द्रीय एकल खिडकी सुपुर्दगी के तहत विभिन्न खुदरा साख उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं.

2.404 **संस्थानों के साथ गठजोड :**

रिटेल ग्राहकों कीं संख्या बढाने के दृष्टिकोण से बैंक ने एयर इंडिया, आई सी आर आई तथा आई आई पी एम के साथ देना विद्यालक्ष्मी शैक्षणिक ऋण योजना के अंतर्गत शैक्षणिक ऋणों के लिए गठजोड व्यवस्था की है. आगे, बैंक ने विभिन्न संस्थानों / विभागों के साथ भी उनके कर्मचारियों हेतु व्यक्तिगत ऋण तथा उपभोक्ता वस्तुओं के लिए ऋण स्वीकृत करने के लिए भी गठजोड़ व्यवस्थाएं की हैं.

इन नव नवोन्मेष तथा सघन प्रयासों के परिणामस्वरूप बैंक के खुदरा साख पोर्टफोलियो में गुणात्मक उछाल आया है तथा खुदरा साख के कुल अतिशेषों

deposits despite the increase in interest rates on domestic term deposits. The Average Cost of Deposits was 4.89% for the financial year 2006-07 against 4.58% for the financial year 2005-06 and 4.85% for the financial year 2004-05.

2.300 Credit Dispensation

The Bank had laid emphasis on smoother flow of credit to the productive sectors of economy and retail credit, led by housing loans, during the year. Resultantly, Gross Advances of the Bank had increased by Rs. 3,935.28 Crs. or 26.68% during the year moving from Rs 14,747.79 Crs. as on March 31, 2006 to Rs. 18,683.07 Crs. as on March 31, 2007. The Net Advances had increased from Rs. 14,231.24 Crs. as on March 31, 2006 to Rs. 18,303.39 Crs. as on March 31, 2007, representing an increase of 28.61%.

2.400 **Retail Credit**

2.401 The Bank has floated 9 Retail Credit Schemes, designed to cater to divergent needs of retail customers. The schemes are modified from time to time keeping in view the market scenario, change in customers' requirements / preferences and feed-back from field functionaries etc. Concerted efforts were made to popularize the schemes through extensive publicity.

2.402 **Refinement of Schemes**

Retail loan schemes viz. Dena Auto Finance & Mortgage Finance etc. were suitably modified to match with the customers' needs and preferences as also to give a competitive edge. Blending the asset quality with a competitive edge, the Bank introduced 'Premium Housing Loan Scheme', whereby add-on facilities and concessions were allowable in case of regular repayments by the borrowers, for the initial five years.

2.403 **FinMarts**

The Bank had operationalised 48 FinMarts covering 32 centers across the country and one Central Processing Centre (CPC) at Mumbai. The FinMarts are retail banking boutiques operating as a branch within a branch and provide all retail credit products under one roof with reduced turnaround time while CPC facilitates centralized single window delivery of retail products with faster turnaround.

2.404 **Tie-up with Institutions**

With a view to tap a cluster of retail customers, the Bank had entered into tie-up arrangements for education loans under bank's 'Dena Vidyalaxmi Education Loan Scheme' with Air India, ICRI & IIPM. The Bank had also entered into tie-up arrangement with various other institutions / bodies, for providing Personal and Consumer Durables Loans to their staff.

A focused approach led by new initiatives and aggressive thrust resulted in a quantum jump of 52.20%

www.reportjunction.com

में 52.20% की वृद्धि हुई और ये वर्षांत में रु. 1174 करोड़ की वृद्धि के साथ बढ़कर रु. 3423 करोड़ के स्तर पर पहुंच गए. खुदरा क्षेत्र में उधारकर्ताओं की संख्या वर्ष के दौरान 12713 बढ़कर 93645 हो गई. वर्ष के दौरान खुदरा साख के विकास में देना निवास, देना बंधक, देना रेन्ट, देना विद्यालक्ष्मी तथा देना ऑटो वित्त योजनाओं का विशेष योगदान रहा है.

2.405 **प्रत्यक्ष आवास ऋण :**
वर्ष के दौरान योजना के अंतर्गत रु. 443.30 करोड़ के नए ऋण संवितरण किए गए. 31 मार्च, 2006 को योजना के अंतर्गत अतिशेष रु. 1075 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2007 को रु. 1433 करोड़ हो गए जो 33.30% की वृद्धि दर्शाते हैं.

2.406 **शैक्षणिक ऋण :** शैक्षणिक ऋण योजना के अंतर्गत अतिशेष में रु. 57 करोड़ अर्थात 54% की वृद्धि हुई तथा ये रु. 105 करोड़ से बढ़कर रु. 162 करोड़ हो गए.

2.500 प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम :

2.501 प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण प्रदान करने के साथ बैंक अपने सामाजिक उत्तरदायित्त्वों का निरंतर निर्वहन कर रहा है. कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह 3 वर्षों के भीतर दुगुना करने की सरकार की नीति के अनुसरण में बैंक ने कृषि क्षेत्र पर विशेष बल देते हुए प्राथमिकता क्षेत्र के विविध क्षेत्रों को ऋण प्रवाह बढ़ानें के उद्देश्य से वर्ष के दौरान बहु आयामी रणनीतियां अपनाई हैं.

मार्च 2006 के रु. 6073.86 करोड़ की तुलना में बैंक के प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिम मार्च 2007 के अग्रिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को बढ़कर रु. 7,629.03 करोड़ तक पहुंच गए. भा.रि. बैंक के निर्धारित 40% के न्यूनतम स्तर के समक्ष प्राथमिकता क्षेत्र में बैंक का निवल साख अनुपात 42.03% रहा.

2.502 **कृषि उधार :**
सरकार के कृषि उधार पैकेज के अनुसरण में बैंक कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह बढ़ाने के लगातार उपाय कर रहा है, जो कि देश की जनसंख्या के लगभग दो तिहाई भाग का प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से मुख्य व्यवसाय है. बैंक अपने कृषि वित्तीय परिचालनों को, नई नीतियां अपनाते हुए, वर्तमान नीतियों को संशोधित करते हुए तथा विशेषतः कृषक समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु त्वरित उत्पाद तैयार करते हुए, लगातार नया स्वरूप प्रदान कर रहा है.

वर्ष के दौरान कृषि उधार मार्च 2006 के रु. 2362.61 करोड़ के स्तर से बढ़कर मार्च 2007 में रु. 3344.70 करोड़ तक पहुंच गया, जो 41.57% की वृद्धि दर्शाता है. बैंक के निवल उधार के समक्ष कृषि बकाया उधार का अनुपात 18.43% था.

2.503 **विशेष कृषि साख योजना के अंतर्गत प्रगति :** सरकारी नीति की घोषणा के अनुसरण में बैंक कृषि क्षेत्र को साख प्रवाह के 30% वृद्धिशील लक्ष्यों को निरंतर हासिल करता आ रहा है. मार्च 2007 को समाप्त वर्ष के दौरान रु. 1175 करोड़ के लक्ष्य के सामने कृषि क्षेत्र को रु. 1315.40

in the retail credit portfolio, showing an increase of Rs. 1,174 Crs. to reach the level of Rs. 3,423 Crs. as at the end of the year. A net of 12713 retail borrowers were added to the Bank's fold during the year, taking the total tally to 93645, as at the end of year. Popular schemes viz. Dena Niwas (Housing), Dena Mortgage, Dena Rent, Dena Vidyalaxmi & Dena Auto Finance Schemes had mainly contributed in the growth of retail credit during the year.

2.405 **Direct Housing Finance**
Fresh disbursements to the tune of Rs. 443.30 Crs. were made during the year, under the scheme, enabling net increase in outstanding credit from Rs. 1,075 Crs. as on March 06 to Rs.1433 Crs. as at the end of the year, thus reflecting a growth of 33.30%.

2.406 Educational Loan
Outstanding under the Educational Loan Scheme, increased from Rs.105 Crs. to Rs.162 Crs. as at the end of the year i.e. an increase of Rs.57 Crs. or 54%.

2.500 Advances to Priority Sector:

2.501 The Bank has been consistently fulfilling its social obligations in respect of priority sector lending. The Bank had adopted multi pronged strategies during the year, to augment credit flow to various segments of priority sector with special thrust on agriculture, in tune with Government's policy of doubling the credit flow to agriculture in a span of 3 years.

Priority Sector Advances of the Bank increased from the level of Rs. 6,073.86 Crs. as of March, 2006 to Rs. 7629.03 Crs. as on last reporting Friday of March, 2007. The ratio of priority sector advances to net bank credit stood at 42.03% as of March, 2007 against the regulatory guidelines of 40%.

2.502 **Lending to Agriculture**
In line with the Government's Farm Credit Package, the Bank has been continuously taking necessary measures to step up the flow of credit to agriculture. The Bank has constantly been revamping its agriculture financing operations by adopting fresh policy initiatives, modifying the existing policies and formulating product lines specifically suited to the needs of the farming community.

During the year, the outstanding under agriculture credit increased from the level of Rs. 2,362.61 Crs. as on March, 2006 to Rs. 3,344.70 Crs. as at the end of the year, representing a growth of 41.57%. The outstanding exposure under agriculture credit represented 18.43% of Net Bank Credit.

2.503 Progress under Special Agricultural Credit Plan
The Bank has consistently been surpassing the 30% target for incremental flow of credit to agriculture, in line with the Government's policy announcement. During the year ended March, 2007, the disbursements in agriculture

www.reportjunction.com

करोड़ का संवितरण किया गया, जो विविध कृषि साख योजनाओं के तहत लगभग 40000 नए किसानों को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ 45% की वृद्धि तथा 112% की उपलब्धि दर्शाता है.

2.504 देना किसान क्रेडिट कार्ड :

वर्ष 1998-99 में, किसानों को झंझटमुक्त लघु अवधि के ऋण उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा आरंभ की गई इस योजना को बैंक द्वारा और संशोधित किया गया तथा इसमें और अतिरिक्त लाभ जोडे गए ताकि इसे और अधिक कृषक मित्रवत बनाया जा सके. वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 223.56 करोड़ के 29437 किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जारी किए हैं, जिससे वर्ष के अंत में बैंक द्वारा जारी किए गए किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या 1,08,265 तथा ऋण विस्तार रु. 710.63 करोड़ हो गया है.

2.505 **सूक्ष्म सिंचाई पद्धति (एम आई एस) के अंतर्गत प्रगति**

सिंचाई क्षेत्र का विस्तार करने के लिए गुजरात सरकार ने सूक्ष्म सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए भारी सब्सिडी वाली एक साख योजना की घोषणा की है. इस योजना को मै. गुजरात ग्रीन रिवोल्यूशन कंपनी लि. के साथ मिलकर कार्यान्वित किया जा रहा है. इस योजना के कार्यान्वयन में बैंक अपनी सक्रिय भागीदारी कर रहा है और किसानों को सूक्ष्म सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए ऋण स्वीकृत कर रहा है. उक्त योजना के तहत बैंक ने 1769 आवेदनों पर रु. 28.85 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया है.

2.506 **भारत सरकार की 2% ब्याज राहत योजना के तहत किसानों को राहत.**

बजट घोषणाओं के भाग के रूप में भारत सरकार ने यह घोषित किया है कि खरीफ / रबी 2006-07 के लिए किसानों द्वारा लिए गए फसल ऋणों पर रु. तीन लाख तक के मूलधन पर ब्याज दरों में 2% की ब्याज राहत दी जाएगी. इसके अनुपालन में योजना के प्रावधानों के अनुसार पात्र किसानों के एक लाख से भी ज्यादा उत्पादन साख खातों में रु. 9.18 करोड़ की कुल ब्याज राहत जमा की गई.

2.507 **किसान क्लबों की स्थापना :**

बैंक, गांवों में किसान क्लबों की स्थापना में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है ताकि किसानों को आपसी विचार-विमर्श हेतु एकत्रित होने के लाभ के साथ ही नव-नवोन्मेषी कृषि तकनीकों के बारे में जागृत किया जा सके. यह अनुभव अत्यंत उत्साहवर्द्धक है, किसान बहुत ही उत्साही है तथा अपनी कृषि आय बढ़ाने के लिए खेती की उन्नत प्रक्रियाओं वाले पैकेज के बारे में सीखने के लिए बहुत रूचि ले रहे हैं. बैंक ने वर्ष के दौरान 167 नए किसान क्लबों की स्थापना में सहायता प्रदान की है जिससे वर्षांत में इनकी कुल संख्या 784 हो गई है.

2.508 **स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को वित्तीयन :**

स्वयं सहायता समूहों (एस एच जी) तथा अन्य सूक्ष्म मध्यवर्त्तियों की स्थापना करवाना तथा उन्हें बैंक साख के साथ संबंद्ध करना बैंक के कार्यकलापों के निरंतर केन्द्र में रहा है. वर्तमान वर्ष के दौरान 2078 नए स्वयं सहायता समूहों

amounted to Rs. 1,315.40 Crs. against the set out target of Rs. 1,175 Crs., representing 112% achievement and a growth of 45% inter-alia benefiting around 40000 new farmers under various agricultural credit schemes.

2.504 Dena Kisan Credit Cards

The scheme introduced in the year 1998-99 by Government of India to provide hassle free short term credit to farmers was further improved by the Bank so as to make it more farmer friendly by introducing additional benefits. The Bank had issued 29,437 Kisan Credit Cards (KCCs) involving an outlay of Rs. 223.56 Crs. during the year, taking the total tally of KCCs to 1,08,265 involving an outstanding credit of Rs.710.63 Crs., as at the end of the year.

2.505 Progress under Micro Irrigation Systems (MIS):

In order to enlarge the area under irrigation, the Govt. of Gujarat had announced a massive subsidy linked credit scheme for installation of MIS. The scheme is being implemented in association with M/s Gujarat Green Revolution Company Ltd. The Bank has actively been participating in the implementation process by financing farmers for installation of micro irrigation systems. The Bank had sanctioned 1769 applications aggregating Rs. 28.85 Crs. under the said scheme.

2.506 Relief to Farmers under Govt of India's 2% interest Relief Scheme:

As a part of Budget announcement, GoI had announced a grant of relief @ 2% in the interest rate on the principal amount up to Rs.3 lakh on crop loans availed by the farmers for kharif / rabi 2006-07.

In compliance thereof, an aggregate interest relief of Rs. 9.18 Crs. was credited in more than one lac production credit accounts of eligible farmers as per the provisions of the scheme.

2.507 Formation of Farmers' Clubs:

The Bank has been playing a pro-active role in formation of farmers' clubs (FCs) at the villages to promote awareness on new and innovative farming techniques amongst farmers; besides facilitating an informal voluntary gathering for sharing common interests. It has been an encouraging experience for the bank, with an increasing numbers of farmers coming forward and enthusiastically participating in this knowledge building process for overall development of agriculture. The Bank had facilitated formation of 167 new FCs during the year, taking the total tally to 784 by the end of the year.

2.508 Financing to Self Help Groups (SHGs) :

Promoting and linking Self Help Groups (SHGs) and other Micro Finance Intermediaries (MFIs) with Bank credit continued to be thrust area of the Bank. During the current year 2,078 new SHGs were credit linked covering

www.reportjunction.com

को रु. 13.09 करोड़ की साख के साथ संबंद्ध किया गया. बैंक द्वारा साख के साथ संबंद्ध किए गए स्वयं सहायता समूहों की संचयी संख्या वर्षांत में बढ़कर 4768 हो गई है तथा साख का विस्तार रु. 28.04 करोड़ हो गया है.

2.509 **महिलाओं को ऋण प्रवाह :**

मार्च 2006 के रु. 498.03 करोड़ के स्तर की तुलना में महिलाओं को ऋण प्रवाह का स्तर वर्षांत में बढ़कर रु. 694.81 करोड़ हो गया है, जिस से इसमें 39.51% की वृद्धि दर्ज हुई है.

महिला उद्यमियों को ऋण प्रवाह और तीव्र बनाने के क्रम में बैंक ने महिलाओं के लिए एक घोषणा पत्र (चार्टर) तैयार किया है तथा बैंक के कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही महिला कक्ष की नियमित बैठकों में आवश्यक उपायों पर कार्यान्वयन किया जा रहा है. महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता लाने के लिए बैंक ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए.

2.510 **कमजोर वर्गों को अग्रिम :**

प्रथमिकता क्षेत्र में हो रहे विकास के साथ-साथ कमजोर वर्गों को अग्रिमों में भी वृद्धि हुई है. मार्च 2006 में इन अग्रिमों का स्तर रु. 648.75 करोड़ था जो मार्च 2007 में बढ़कर 904.07 करोड़ हो गया जो 39.35% की वृद्धि दर्शाता है.

2.511 **अनुसूचित जाति/जनजाति को अग्रिम :**

प्राथमिकता क्षेत्र के भीतर अ.जा./ज.जा. को अग्रिमों का कुल स्तर मार्च 2006 में 224.64 करोड़ था जो मार्च 2007 में बढ़कर रु. 294.39 करोड़ हो गया, जो 31.04% की वृद्धि दर्शाता है. इस क्षेत्र में मांग के समक्ष वसूली 57.93% रही है.

2.512 **सी.जी.टी.एस.आई. योजना के अंतर्गत व्याप्ति :**

लघु सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीयन को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक लघु उद्योगों हेतु साख गारंटी निधि न्यास का सदस्य बन गया है, ताकि उन्हे संपार्श्विक मुक्त ऋण प्रदान किए जा सकें. वर्षांत में रु. 27.75 करोड़ के 962 मामलों को इस योजना के तहत कवर किया गया है.

2.513 **स्वर्ण जयंती ग्रामीण आवास वित्तीयन योजना (जी.जे.आर.एच.एफ.एस)** ग्रामीण क्षेत्रों में रिहायशी इकाइयों को वित्तपोषण करने के उद्देश्य से बैंक स्व.ज.ग्रा.आ.वि. योजना का कार्यान्वयन कर रहा है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में बैंक की उपलब्धियां लक्ष्यों के 105.55% तक रहीं.

2.514 **सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाएं**

गरीबी उन्मूलन एवं स्वरोजगार निर्माण के उद्देश्य वाली सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैंक संपूर्ण निष्ठा से प्रयास कर रहा है. बैंक ने वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री रोजगार योजना (पी.एम.आर.वाई.) के 3,480 लाभार्थियों को रु. 20.81 करोड़ तथा स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एस.जी.एस.वाई.) के तहत 4,181 लाभार्थियों को रु. 20.06 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं.

an outlay of Rs. 13.09 Crs. The cumulative number of SHGs credit linked by the bank increased to 4,768 as at the end of the year involving an outlay of Rs. 28.04 Crs.

2.509 Credit Flow to Women

The aggregate credit flow to women had increased from Rs. 498.03 Crs. as of March 2006 to a level of Rs 694.81 Crs. as at the end of the year, representing a growth of 39.51%.

In order to further augment the flow of credit to women entrepreneurs, the Bank had brought out a "Charter for Women" and had been implementing necessary measures evolved during the course of regular meetings of the Women Cell being held under the Chairmanship of Executive Director of the Bank. With a view to create awareness on women empowerment, the Bank had organised a number of events on the International Women's Day.

2.510 Advances to weaker section

Consistent with the growth in priority sector advances, the advances to the weaker section increased from the level of Rs. 648.75 Crs. as of March, 2006 to Rs. 904.07 Crs. as of March, 2007, representing a growth of 39.35%.

2.511 Advances to SCs / STs

The aggregate level of advances to SC/ST, within the priority sector increased from the level of Rs. 224.64 Crs. as of March, 2006 to Rs. 294.39 Crs. as of March, 2007, showing a growth of 31.04%. The recovery to demand under the segment stood at 57.93%.

2.512 Coverage under CGTSI scheme:

The Bank has been participating in the Credit Guarantee Fund Trust for Small Industries Scheme (CGSTI) to provide collateral free loans to small and micro-enterprises. The total number of cases covered under the scheme stood at 962 with a guarantee cover of Rs. 27.75 Crs., as at the end of the year.

2.513 Golden Jubilee Rural Housing Finance Scheme (GJRHFS)

In order to promote financing of dwelling units in rural areas, the Bank has been implementing GJRHFS. The Bank had achieved the target to the extent of 105.55 % under the scheme, during the year.

2.514 Government Sponsored Schemes

The Bank continues to make earnest efforts to implement government sponsored schemes aimed at eradication of poverty and for generating self employment. The Bank had sanctioned loans to 3,480 beneficiaries under Prime Minister's Rozgar Yojana (PMRY) amounting to Rs. 20.81 Crs. and also granted loans to 4,181 beneficiaries under Swaranjayanti Gram Swarozgar Yojana (SGSY) to the tune of Rs. 20.06 Crs., during the year.

www.reportjunction.com